

Sr. No. 160101

Your Roll No :

M.A. / Part I, Sem. I
Sanskrit – Paper 101
(Vedic Vāṇmaya : Ṛksamhitā & Nirukta)
(वैदिक वाङ्मय : ऋक्-संहिता एवं निरुक्त)

Time : 3 Hours

Maximum Marks: 70

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English.

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

भाग 'क' (Part A)

1. निम्नलिखित मन्त्रों में से प्रत्येक अन्विति में से एक मन्त्र लेते हुए किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या कीजिए, जिनमें एक संस्कृत में हो।

Explain two mantras, taking one from each unit, from the mantras given below, of which one should be in Sanskrit. 8 x 2 = 16

अन्विति-1 (Unit - 1)

- (क) दासपत्नीरहिगोपा अतिष्ठन्निरुद्धा आपः पुनिर्नव गावः।
अपां विलमपिहितं यदासीद् वृत्रं जघन्वा अप तद्वार।।

अथवा/OR)

सहस्रधारे वितते पवित्र आ वाच पुनन्ति कवयो मनीषीणः।
रुद्रास एषामिषिरासो अद्रुहः स्पशः स्वन्वः सुदृशो नृक्षसः॥

अन्विति-2 (Unit - 2)

- (ख) मोघमर्न विन्दते अप्रचेताः सत्यं ब्रवीमि वध इत्स तस्य।
नार्यमणं पुष्यति नो सखायं केवलाघो भवति केवलादी॥

अथवा/OR)

तम आसीत्तमसा गुल्हमग्रैऽप्रकेतं सलिलं सर्वमा इदम्।
तुच्छ्येनाध्वपिहितं यदासीत्तपसस्तन्महिनाजायतैकम्॥

2. निम्नलिखित में से किसी एक पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :

Explain an exhaustive note on any one of the following

- (क) पुरुषसूक्तम् (ख) सविता (ग) अग्निः

3. प्रश्न 1 में दिए गए मन्त्रों में से किसी एक का पदपाठ कीजिए।

Write padapāṭha of any one of the mantras given in question no. 1.

भाग 'ख' (Part B)
अन्विति-1 एवं 2 (Unit - 1 & 2)

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :

5 x 2 = 10

Write notes on the following :

- (क) अभिनिहित सन्धि अथवा अजन्त पुल्लिङ्ग।
Abhinihita Sandhi or Vedic stems ending in vowels.
(ख) वैदिक क्त्वार्थक प्रत्यय अथवा वैदिक स्वरित।
Vaidika Ktvārthaka Pratyaya or Vaidika Svarita.

भाग 'ग' (Part C)
अन्विति-1 एवं 2 (Unit - 1 & 2)

5. निम्नलिखित की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

8 x 2 = 16

Explain the following with reference to the context :

अन्विति-1 (Unit - 1)

- (क) निघण्टवः कस्मात्? निगमा इमे भवन्ति। छन्दोभ्यः समाहृत्य समाहृत्य समाम्नाताः। ते निगन्तव एव सन्तो निगमनान्निघण्टव उच्यन्त इत्यौपमन्यवः। अपि वाऽऽहननादेव स्युः, समाहृता भवन्ति। यद्वा समाहृता भवन्ति।

(अथवा/OR)

तद् यान्येतानि चत्वारि पदजातानि नामाख्याते चोपसर्गनिपाताश्च, तानीमानि भवन्ति। तत्रैतन्नामाख्यातयोर्लक्षणं प्रदिशन्ति। भावप्रधानमाख्यातम्, सत्त्वप्रधानानि नामानि। तद् यत्रोभे भावप्रधाने भवतः।

अन्विति-2 (Unit - 2)

- (ख) तद्येऽनादिष्टदेवतामन्त्रास्तेषु देवतोपपरीक्षा। यद्देवतः स यज्ञो वा यज्ञांगं वा तद्देवता भवति। अधान्यत्र यज्ञात्? प्राजापत्या इति याज्ञिकाः। नाराशंसा इति नैरुक्ताः। अपि वा सा कामदेवता स्यात्। प्रायो देवता वा। अस्ति हि आचारो बहुलं लोके। देवदेवत्यमतिथिदैवत्यं पितृदैवत्यम्। याज्ञदैवतो मन्त्र इति।

(अथवा/OR)

जातवेदाः कस्मात्? जातानि वेदा। जातानि वै न विदुः। जाते जाते विद्यते इति वा। जातवित्तो वा। जातधनः। जातविद्यो वा जातप्रज्ञानः। यत्तज्जातः पशूनविन्दत इति तज्जातवेदसो जातवेदस्त्वम् इति ब्राह्मणम्। तस्मात्सर्वानृतून्यशवोऽग्निमभिसर्पन्ति इति च। तस्यैषा भवति - जातवेदसे सुनवाम दुरितात्यग्निः।

6. निम्नलिखित में से किसी एक पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :

Write an exhaustive note on any one of the following.

08

- (क) षड् भ्रुवविकाराः।
(ख) देवताजाम् आकारचिन्तनम्।

7. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं तीन का निर्वचन यास्क के अनुसार संस्कृत में दीजिए :

Give the etymology of any three of the following words in Sanskrit according to Yāska:

2 x 3 = 6

अग्निः, वैश्वानरः, समुद्रः, अनुष्टुप्, आदित्यः, उषाः, रात्रिः।

M.A./ Semester-I

Sanskrit : 102

(Poetics- Sāhityadarpaṇa)

(साहित्यदर्पण)

(Write your roll no. on the top immediately on receipt of the question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

Time- 3Hour

Maximum Marks.-70

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिये।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। (Answer all questions.)

1. अधोलिखित की व्याख्या कीजिये :

5x2=10

Explain the following :

(क) शरदिन्दुसुन्दररुचिश्रेतसि सा मे गिरां देवी।
अपहृत्य तमः सन्ततमर्थानखिलान् प्रकाशयतु॥

अथवा/OR

उत्कर्षहेतवः प्रोक्ता गुणालङ्काररीतयः॥

(ख) सङ्केतो गृह्यते जातौ गुणद्रव्यक्रियासु च।

अथवा/OR

विषयस्यानिर्णीतस्यान्यतादात्म्यप्रतीतिकृत्।
सारोपा स्यान्निर्णीतस्य मता साध्यवसानिका॥

2. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए-

5

Write a note on any one of the following-

काव्यफल, वाक्य, उपादानलक्षणा

3. मम्मटोक्त काव्य-स्वरूप पर विश्वनाथ द्वारा उठाई गई विप्रतिपत्तियों की समालोचना कीजिए।

10

Analyze Vishvanatha's objections on the poetry as defined by Mammaṭa.

अथवा/OR

व्यञ्जना के विश्वनाथाभिमत वर्गीकरण को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Elucidate Vishvanatha's classification of *Vyañjanā* with the support of examples.

4. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए-

6x2=12

Explain the following-

क. परस्य न परस्येति ममेति न ममेति च।
तदास्वादे विभावादेः परिच्छेदो न विद्यते॥

अथवा/OR

सञ्चारिणः प्रधानानि देवादिविषया रतिः॥
उद्बुद्धमात्रः स्थायी च भाव इत्यभिधीयते।

- ख. वाच्यातिशयिनि व्यङ्ग्ये ध्वनिस्तत्काव्यमुत्तमम्।
अथवा/OR
तत्राद्यो रसभावादिरेक एवात्र गण्यते।
एकोऽपि भेदोऽनन्तत्वात् सङ्ख्येयस्तस्य नैव यत्॥
5. रस-स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसकी केवल-सुखरूपता की विशद विवेचना कीजिए। 10
Defining the *Rasa* elucidate its aspects of being only bliss by nature.
अथवा/OR
गुणीभूतव्यङ्ग्य-काव्य के सामान्य स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख भेदों की विशद विवेचना कीजिए।
What is *Guṇībhūtavyaṅgya-kāvya*? Clearly analyze its principal types.
6. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए- 6
Explain the following-
अङ्कोदरप्रविष्टो यो रङ्गद्वारामुखादिमान्।
अङ्कोऽपरः स गर्भाङ्कः सबीजः फलवानपि॥
अथवा/OR
इदं पुनर्वस्तु बुधैर्द्विविधं परिकल्प्यते।
आधिकारिकमेकं स्यात्प्रासङ्गिकमथापरम्॥
7. अधोलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए- 7
Write a short note in Sanskrit on any one of the following-
नान्दी, कैशिकीवृत्तिः, खण्डकाव्यम्
8. विश्वनाथ के अनुसार सन्धि का स्वरूप बतलाते हुए उसके पाँच प्रमुख भेदों की सोदाहरण विवेचना कीजिए। 10
What is *Sandhi* according to Vishvanatha? Explain its five principal types with the help of illustrations.
अथवा/OR
अर्थोपक्षेपक क्या है? उसके भेदों पर सविस्तार प्रकाश डालिए।
What is *Arthopakṣhepaka*? Explain its types in detail.

M.A./ I Sem.
Sanskrit Paper 103
 (Sahitya: Naiṣadha avm Mṛcchakatika)
 (साहित्य : नैषध एवं मृच्छकटिक)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 70

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**.

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

भाग क/ Part-A
अन्विति-1 (Unit-1)

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

6x2=12

Explain the following with context.

(क) अधीतिबोधाचरणप्रचारणैर्दशाश्चतस्रः प्रणयन्नुपाधिभिः।
 चतुर्दशत्वं कृतवान्कुतः स्वयं न वेदिम विद्यासु चतुर्दशस्वयम्॥

अथवा/OR

उपासनामेत्य पितुः स्म रज्यते दिने दिने साऽवसरेषु वन्दिनाम्।
 पठत्सु तेषु प्रति भूपतीनलं विनिद्रोमाऽजनि शृण्वती नलम्॥

अन्विति-2 (Unit-2)

(ख) वियोगभाजां हृदिकण्टकैः कटुर्निधीयसे कर्णिशरः स्मरेण यत्।
 ततो दुराकर्षतया तदन्तकृद्विगीयसे मन्मथदेहदाहिना॥

अथवा/OR

मदेकपुत्रा जननी जराऽऽतुरा नवप्रसूतिर्वरटा तपस्विनी।
 गतिस्तयोरेष जनस्तमर्दयन्नहो! विधे! त्वां करुणा रुणद्धि नो॥

2. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on the following.

(क) नैषध के प्रथम सर्ग के आधार पर 'करुणरस वर्णन'

Description of 'करुणरस' on the basis of Naiṣadha's first canto.

अथवा/OR

नैषध के प्रथम सर्ग में 'उपवन वर्णन'
 'उपवन वर्णन' in Naiṣadha's first canto.

3. निम्नलिखित पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए :

Write short note on the following in Sanskrit.

नैषधस्य प्रथमसर्गे 'नलवर्णनम्'
 'नलवर्णनम्' in Naiṣadha's first canto.

अथवा/OR

नैषधस्य प्रथमसर्गानुसारं 'सरोवरवर्णनम्'
 'सरोवरवर्णनम्' according to Naiṣadha's first canto.

4. निम्नलिखित की समीक्षा कीजिए।

Analyse the following.

प्रथम सर्ग के आधार पर 'नैषधं विद्वदौषधम्' उक्ति का विवेचन।

Analyse the statement 'नैषधं विद्वदौषधम्' on the basis of Naiṣadha's first canto.

अथवा/OR

प्रथमसर्ग के आधार पर 'नैषधीयचरितम्' का काव्य-सौन्दर्य।

Poetic beauty of Naiṣadhiya-charitam on the basis of first canto.

भाग ख/ Part-B

अन्विति-1 (Unit-1)

5. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

Explain the following with context :

(क) निवासश्चिन्तायाः परपरिभवो वैरमपरम्, जुगुप्सा मित्राणां स्वजनजनविद्वेषकरणम्।
वनं गन्तुं बुद्धिर्भवति च कलत्रात् परिभवो, हृदिस्थः शोकाग्निर्न च दहति संतापयति च॥

अथवा/OR

शिखा प्रदीपस्य सुवर्णपिञ्जरा महीतले सन्धिमुखेन निर्गता।

विभाति पर्यन्ततमः समावृता सुवर्णरेखेव कषे निवेशिता॥

अन्विति-2 (Unit-2)

(ख) वेगं करोति तुरगस्त्वरितं प्रयातुं प्राणव्ययान्न चरणास्तु तथा वहन्ति।
सर्वत्र यान्ति पुरुषस्य चलाः स्वभावाः खिन्नास्ततो हृदयमेव पुनर्विशन्ति॥

अथवा/OR

मयि विनिहितदृष्टिर्भिन्ननीलांजनाभः स्फुरित-विततजिह्वः शुक्लदंष्ट्राचतुष्कः।
अभिपतति सरोषो जिह्विताध्मातकुक्षिर्भुजगपतिरयं मे मार्गमाक्रम्य सुप्तः॥

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए,

Write short notes on any Two of the following.

(क) मृच्छकटिक में अलंकार योजना

अलंकार योजना in Mṛcchakatika

(ख) चारुदत्त का चरित्र-चित्रण

Characterization of Chārudatta

(ग) मृच्छकटिक में प्रवहण-विपर्यय

प्रवहण-विपर्यय in Mṛcchakatika

(घ) मृच्छकटिक में नान्दी

नान्दी in Mṛcchakatika

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए,

संस्कृत नाट्य-परम्परा में मृच्छकटिक का मूल्यांकन कीजिए :

Evaluate Mṛcchakatika in Sanskrit Play Tradition.

अथवा/OR

शूद्रककालीन सामाजिक दशा का वर्णन कीजिए :

Portray the social condition during the time of Śudraka.

10

6x2=12

6x2=12

10

Sr.No.160104

Your Roll No:.....

M.A./ I Sem.
Sanskrit Paper 104
(Outline of Culture & Civilization in Sanskrit Literature)
(संस्कृत वाङ्मय में प्रतिपादित संस्कृति एवं सभ्यता की रूपरेखा)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 70

(Write your Roll No. On the top immediately on receipt of this question paper.)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**.

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

1. सभ्यता एवं संस्कृति का लक्षण देते हुए उनके भेद को स्पष्ट कीजिए। 12
Defining culture and civilization discuss their differences.

अथवा / OR

पूर्ववैदिक कालीन संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
Give an exposition of the main characteristics of the culture of early Vedic period.

2. भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता में पुराणों के महत्त्व की समीक्षा कीजिए। 12
Examine the importance of Purāṇas in Indian Culture and civilization.

अथवा / OR

महाभारतकालीन संस्कृति के प्रमुख पक्षों का उल्लेख कीजिए।
Describe the important aspects of the culture of the Mahābhārata period.

3. प्राचीन भारत में स्त्रियों की दशा की समीक्षा कीजिए। 12
Critically examine the position of women in ancient India.

अथवा / OR

प्राचीन भारत में आश्रम-व्यवस्था के महत्त्व को प्रकाशित कीजिए।
Highlight the importance of ancient Indian Āśrama-System.

4. वैष्णव धर्म के उद्भव एवं विकास का विवेचन कीजिए। 12
Give an account of the origin and development of Vaiṣṇava Dharma.

अथवा / OR

जैन-धर्म के प्रमुख सिद्धान्तों का निरूपण कीजिए।
Give an exposition of the important doctrines of Jainism.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए, जिनमें से एक संस्कृत में हो। 7+7+8=22

Write short note on any **three** of the following out of which **one** should be in **Sanskrit**.

(i) संस्कारों का वैज्ञानिक आधार एवं उनकी प्रासंगिकता ।
Scientific base of Saṁskāras and their relevance.

(ii) विवाह के प्रकार ।
Type of Marriage.

(iii) पाशुपत सम्प्रदाय ।
Pāśupata School.

(iv) चार आर्यसत्य ।
Four Noble Truths.

(v) पुरुषार्थचतुष्टय ।
Puruṣārtha-Catuṣṭaya.

(vi) वर्ण-व्यवस्था ।
Varṇa system.

M.A. / Part I, Sem. I (I.1)
Sanskrit – Paper 101
(Vedic Vāṇmaya : Rksamhitā & Nirukta)
(वैदिक वाङ्मय : ऋक्-संहिता एवं निरुक्त)

Time : 3 Hours

Maximum Marks: 70

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

भाग 'क' (Part A)

1. निम्नलिखित मन्त्रों में से प्रत्येक अन्विति में से एक मन्त्र लेते हुए किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या कीजिए, जिनमें एक संस्कृत में हो।

Explain **two** mantras, taking one from each unit, from the mantras given below, of which **one** should be in **Sanskrit**. 8 + 8 = 16

अन्विति-1 (Unit - 1)

अहन्नहिं पर्वते शिश्रियाणं त्वष्टास्मै वज्रं स्वयं ततक्ष।

वाश्रा इव धेनवः स्यन्दमाना अज्जः समुद्रमव जग्मुरापः॥

(अथवा/OR)

इमा गिरः सवितारं सुजिह्वं पूर्णगर्भस्तिमीळते सुपाणिम्।

चित्रं वयो बृहदस्मे दधातु यूयं पात स्वस्तिभिः सदा नः॥

अन्विति-2 (Unit - 2)

सहस्रधारेऽव ते समस्वरन्द्बो नाके मधुजिह्वा असश्चतः।

अस्य स्पशो न नि मिषन्ति भूर्णयः पदेपदे पाशिनः सन्ति सेतवः॥

(अथवा/OR)

नाभ्या आसीदन्तरिक्षं शीर्ष्णो द्यौः समवर्तत।

पद्भ्यां भूमिर्दिशः श्रोत्रात्तथा लोकाँ अकल्पयन्॥

2. निम्नलिखित में से किसी एक पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :
Explain an exhaustive note on any **one** of the following

(i) रुद्र (ii) इन्द्र (iii) धनान्नदानम्

3. प्रश्न 1 में दिए गए मन्त्रों में से किसी एक का पदपाठ कीजिए।
Write Padapāṭha of any **one** of the mantras given in question no. 1.

09

05

भाग 'ख' (Part B)
अन्विति-1 एवं 2 (Unit - 1 & 2)

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :

5 + 5 = 10

Write notes on the following :

- (i) वैदिक तुमर्थक प्रत्यय अथवा अजन्त पुल्लिङ्ग।
Vedic infinitives or Vedic stems ending in Vowels.
- (ii) उदात्त एवं अनुदात्त अथवा स्वतन्त्र स्वरित।
Udātta and Anudātta or Svatanttra Svarita.

भाग 'ग' (Part C)
अन्विति-1 एवं 2 (Unit - 1 & 2)

5. निम्नलिखित की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

8 + 8 = 16

Explain the following with reference to the context :

अन्विति-1 (Unit - 1)

- (i) न निर्बद्धा उपसर्गा अर्थान्निराहुरिति शाकटायनः। नामाख्यातयोस्तु कर्मोपसंयोगद्योतका भवन्ति। उच्चावचाः पदार्था भवन्तीति गार्ग्यः। तद् य एषु पदार्थः प्राहुरिमे तं नामाख्यातयोरर्थविकरणम्। आ इत्यर्वागर्थे।
..... एवमुच्चावचानर्थान् प्राहुस्त उपेक्षितव्याः।

(अथवा/OR)

अथापीदमन्तरेण मन्त्रेष्वर्थप्रत्ययो न विद्यते। अर्थमप्रतियतो नात्यन्तं स्वरसंस्कारोद्देशः। तदिदं विद्यास्थानं व्याकरणस्य कात्स्न्यं स्वार्थसाधकं च।

अन्विति-2 (Unit - 2)

- (ii) अग्निः कस्मात्? अग्रणीर्भवति। अग्रं यज्ञेषु प्रणीयते। अंगं नयति सन्नममानः। अक्नोपनो भवतीति स्थौलाष्टीविः। न क्नोपयति न स्नेहयति। त्रिभ्य आख्यातेभ्यो जायत इति शाकपूणिः। इतात् अक्ताद्गधाद्वा नीतात्। स खल्वेतेरकारमादत्ते गकारमनक्तेर्वा दहतेर्वा, नीः परस्तस्यैषा भवति - अग्निमीळे
रत्नधातमम्।

(अथवा/OR)

तद्येऽनादिष्टदेवता मन्त्रास्तेषु देवतोपपरीक्षा। यदैवतः स यज्ञो वा यज्ञांगं वा, तद्देवता भवति। अथान्यत्र यज्ञात्प्राजापत्या इति याज्ञिकाः। नाराशंसा इति नैरुक्ताः। अपि वा सा कामदेवता स्यात्। प्रायो देवता वा।
..... यथाऽश्वप्रभृतीन्यौषधिपर्यन्तानि।

6. निम्नलिखित में से किसी एक पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :

Write an exhaustive note on any **one** of the following.

08

- (i) नामान्याख्यातजानीति शाकटायनो नैरुक्तसमयश्च।
- (ii) अथाकारचिन्तनं देवतानाम्।

7. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं तीन का निर्वचन यास्क के अनुसार संस्कृत में दीजिए :

2 + 2 + 2 = 6

Give the etymology of any **three** of the following words in **Sanskrit** according to **Yaska**:

समुद्रः, रात्रिः, अन्तरिक्षम्, त्रिष्टुप्, जातवेदाः, अध्वर्युः।

M.A./ SEM. I
SANSKRIT – Paper-102
Poetics : Sāhityadarpaṇa
(साहित्यशास्त्र : साहित्यदर्पण)

Time 3 Hours

Max. Marks – 70

(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English.

1. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए :

Explain the following:

5×2=10

(क) धर्मार्थकाममोक्षेषु वैचक्षण्यं कलासु च।

करोति कीर्तिं प्रीतिं च साधुकाव्यनिषेवणम्॥

अथवा/OR

कीटानुविद्धरत्नादिसाधारण्येन काव्यता।

दुष्टेष्वपि मता यत्र रसाद्यनुगमः स्फुटः॥

(ख) वर्णाः पदं प्रयोगार्हानन्वितैकार्थबोधकाः।

अथवा/OR

विरतास्वभिधाद्यासु ययाऽर्थो बोध्यते परः।

सा वृत्तिर्व्यञ्जना नाम शब्दस्यार्थादिकस्य च॥

2. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए :

Write a note on any one of the following:

5

(क) विधेयाविमर्श दोष

(ख) अभिधा

(ग) अभिधामूला व्यञ्जना

3. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' विश्वनाथ की इस स्थापना की समीक्षा कीजिए।

Critically discuss 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' as establish by Vishvanātha.

10

अथवा/OR

विश्वनाथ के अनुसार लक्षणा की परिभाषा को समझाते हुए उसके मुख्य 16 भेदों की विस्तृत विवेचना करें।

Explain the Lakṣaṇā's definition of Vishvanātha and discuss its 16 principle types in detail.

4. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए :

Explain the following:

6×2=12

(क) शिक्षाभ्यासादिमात्रेण राघवादेः सरूपताम्।

दर्शयन्नर्तको नैव रसस्यास्वादको भवेत्॥

अथवा/OR

रत्याद्युद्बोधका लोके विभावाः काव्यनाट्ययोः।

आलम्बनोद्दीपनाख्यौ तस्य भेदावुभौ स्मृतौ॥

(ख) पदांशवर्णरचनाप्रबन्धेष्वस्फुटक्रमः।

अथवा/OR

अपरं तु गुणीभूतव्यङ्ग्यं वाच्यादनुत्तमे व्यङ्ग्ये।

5. साहित्यदर्पण के आधार पर रस की अलौकिकता को स्पष्ट कीजिए।
Explain the *Rasa-alaukikatā* on the basis of *Sāhityadarpaṇa*.

10

अथवा/OR

ध्वनि काव्य क्या है? उसके 18 मुख्य भेदों को बतलाते हुए किन्हीं पाँच की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

What is dhvani kāvya? Discuss its 18 principle types and analyze any Five of them with support of illustrations.

6. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए :

Explain the following:

दृश्यं तत्राभिनेयं तद्रूपारोपात्तु रूपकम्।

अथवा/OR

यत्स्यादनुचितं वस्तु नायकस्य रसस्य वा।

विरुद्धं तत्परित्याज्यमन्यथा वा प्रकल्पयेत्॥

7. अधोलिखित में से किन्हीं एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए :
Write a short note in Sanskrit on any one of the following:
गर्भाङ्कः, विष्कम्भकः, भारतीवृत्तिः

7

8. साहित्यदर्पण के आलोक में अर्थप्रकृति की अवधारणा तथा उसके भेदों पर प्रकाश डालिए।
Elucidate the notion of अर्थप्रकृति and its types in the light of *Sāhityadarpaṇa*.

10

अथवा/OR

विश्वनाथ की दृष्टि से नाटक के स्वरूप की सविस्तर समीक्षा कीजिए।

Discuss *nāṭaka* in detail as defined by Vishvanātha.

Sr. No. – 150103

Your Roll No.....

MA/ I Sem.
SANSKRIT – Paper 103
(साहित्य : नैषध एवं मृच्छकटिक)

Time : 3 hours

Maximum Marks : 70

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :- Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.

भाग क / Part – A

अन्विति- 1 (Unit – 1)

6 x 2 = 12

1 (i) निम्नलिखित की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

Explain the following with context :

(क) पवित्रमत्रातनुते जगद्युगे स्मृता रसक्षालनयेव यत्कथा।
कथं न सा मद्गिरमाविलामपि स्वसेविनीमेव पवित्रयिष्यति॥

अथवा/ or

स्मरात्परासोरनिमेषलोचनाद् बिभेमि तदिभन्नमुदाहरेति सा।
जनेन यूनः स्तुवता तदास्पदे निदर्शनं नैषधमभ्यषेचयत्॥

अन्विति- 2 (Unit – 2)

(ख) फलानि पुष्पाणि च पल्लवे करे वयोतिपातोद्गतवातवेपिते।
स्थितैः समादाय महर्षिवार्धकाद् वने तदातिथ्यमशिक्षि शाखिभिः॥

अथवा/ or

मदर्थसन्देशमृणालमन्थरः प्रियः कियद्दूर इति त्वयोदिते।
विलोकयन्त्या रुदतोऽथ पक्षिणः प्रिये स कीदृग्भविता तव क्षणः॥

7 x 2 = 14

(ii) निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए (अनुभाग ख को संस्कृत में)

Write short notes on the following (section ख should be in Sanskrit):

(क) नैषध के प्रथम सर्ग के आधार पर दमयन्ती का नल के प्रति अनुराग-वर्णन।
Description of Damayanti's love for Nala on the basis of Naisadh's first canto.

अथवा / or

नैषध के प्रथम सर्ग में शृंगार रस।
शृंगार रस in Naisadh's first canto.

(ख) नैषधस्य प्रथमसर्गे हंसविलापवर्णनम्।
हंसविलापवर्णनम् in Naisadha's first canto.

अथवा/ or

नैषधस्य प्रथमसर्गे भाषासौष्ठवम्। Bhāṣāsausthavam in Naisadha's first canto.

10

(iii) निम्नलिखित की समीक्षा कीजिए :

Analysis of the following :

प्रथमसर्ग के आधार पर नैषधीयचरित का काव्य-वैशिष्ट्य।
Poetic beauty of Naisadhīyacarita on the basis of first canto.

अथवा/ or

नैषध के प्रथम सर्ग में दार्शनिक तत्त्व।

Philosophical elements in the Naisadha's first canto.

भाग ख/ Part – B

अन्विति- 1 (Unit – 1)

6 x 2 = 12

2 (i) निम्नलिखित की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

Explain the following with the context :

(क) सत्यं न मे विभवनाशकृताऽस्ति चिन्ता भाग्यक्रमेण हि धनानि भवन्ति यान्ति।
एतत्तु मां दहति नष्टधनाश्रयस्य यत् सौहृदादपि जनाः शिथिलीभवन्ति॥

अथवा/ or

एता हसन्ति च रुदन्ति च वित्तहेतोर्विश्वासयन्ति पुरुषं न तु विश्वसन्ति।
तस्मान्मरेण कुलशीलसमन्वितेन वेश्याः श्मशानसुमना इव वर्जनीयाः॥

अन्विति- 2 (Unit – 2)

(ख) छन्नं कार्यं मुपक्षिपन्ति पुरुषा न्यायेन दूरी कृतं
स्वान् दोषान् कथयन्ति नाधिकरणे रागाभिभूताः स्वयम्।
तैः पक्षापरपक्षवर्द्धितबलैर्दोषैर्नृपः स्पृश्यते
संक्षेपादपवाद एव सुलभो द्रष्टुर्गणो दूरतः॥

अथवा/ or

न भीतो मरणादस्ति केवलं दूषितं यशः।
विशुद्धस्य हि मे मृत्युः पुत्रजन्म समो भवेत्॥

(ii) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

6 x 2 = 12

Write short notes on any two of the following :

(क) मृच्छकटिक नाम का औचित्य। Appropriateness of the title of Mṛcchakaṭika

(ख) वसन्तसेना का चरित्रचित्रण। Characterization of Vasantasenā.

(ग) मृच्छकटिक में रस-योजना। Rasayojanā in Mṛcchakaṭika.

(घ) मृच्छकटिक में प्रतिबिम्बित राजनीतिक व्यवस्था।

Political system reflected in Mṛcchakaṭika.

(iii) संस्कृत नाट्य-परम्परा में शूद्रक का स्थान निर्धारित कीजिए।

Discuss the place of Shudrak in Sanskrit play-tradition.

10

अथवा/ or

मृच्छकटिक के कथावस्तु की नाट्यशास्त्रीय समीक्षा कीजिए।

Analyze the plot of Mṛcchakaṭika according to dramaturgy.

M.A./ SEM. I

Sanskrit – Paper-104

(Outline of Culture & Civilization in Sanskrit Literature)

संस्कृत वाङ्मय में प्रतिपादित संस्कृति एवं सभ्यता की रूपरेखा

Time – 3 Hours

Max. Marks – 70

(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English.

1. सभ्यता एवं संस्कृति का लक्षण देते हुए भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 12
Define culture and civilization and discuss the essential characteristics of the Indian culture.

अथवा/OR

उत्तरवैदिक काल की संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Give an exposition of the main characteristics of the culture of Post Vedic period.

2. विभिन्न आदर्शों की स्थापना के विशेष सन्दर्भ में रामायण के सांस्कृतिक महत्त्व पर प्रकाश डालिए। 12
Throw light on the cultural importance of the Rāmāyaṇa with special reference to setting up different ideals.

अथवा/OR

भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता में पुराणों के महत्त्व की समीक्षा कीजिए।

Examine the importance of Purāṇas in Indian culture and civilization.

3. संस्कारों के वैज्ञानिक आधार की चर्चा करते हुए इनके प्रकारों एवं उद्देश्यों का विस्तृत विवेचन कीजिए। 12
Discussing the scientific base of Saṁskāras, write detail description of their types and objectives.

अथवा/OR

प्राचीन भारत में दलितों की स्थिति की समीक्षा कीजिए।

Critically examine the position of Dalits in Ancient India.

4. शैवमत के उद्भव एवं विकास का वर्णन कीजिए। 12
Discuss the origin and development of Śaivism.

अथवा/OR

बौद्धमत के प्रमुख सिद्धान्तों की समालोचना कीजिए।

Critically examine the important doctrines of Buddhism.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए, जिनमें से एक संस्कृत में हो: 7+7+8=22

Write short notes on any three of the following out of which one should be in Sanskrit:

- प्राचीन भारतीय शिक्षाप्रणाली
(Ancient Indian Educational System)
- जैनमत का अवदान
(Contribution of Jainism)
- समावर्तन संस्कार
(Samāvartana Saṁskāra)
- पुरुषार्थचतुष्टय
(Puruṣārtha-catuṣṭaya)
- वैष्णव सम्प्रदाय
(Sects of Vaiṣṇavism)

M.A. / Part I, Sem. I
 Sanskrit - Paper 101

(Vedic Vāṇmaya : Rksamhitā & Nirukta)
 (वैदिक वाङ्मय : ऋक्-संहिता एवं निरुक्त)

Time : 3 Hours

Maximum Marks: 70

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)
 Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

भाग 'क' (Part A)

1. निम्नलिखित मन्त्रों में से प्रत्येक अन्विति में से एक मन्त्र लेते हुए किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या कीजिए, जिनमें एक संस्कृत में हो :

Explain any **two** from the following mantras taking one from each unit, of which **one** should be in **Sanskrit** : 8 + 8 = 16

अन्विति-1 (Unit - 1)

दासपत्नीरहिगोपा अतिष्ठन् निरुद्धा आपः पणिनैव गावः।

अपां बिलमपिहितं यदासीद् वृत्रं जघन्वा अप तद्वार।।

(अथवा/OR)

त्वेष वयं रुद्रं यज्ञसार्धं वङ्कुं कविमवसे नि ह्वयामहे।

आरे अस्मदैव्यं हेळा अस्यतु सुमतिमिद्वयमस्या वृणीमहे।।

अन्विति-2 (Unit - 2)

अक्षवन्तः कर्णवन्तः सखायो मनोजवेष्वसमा बभूवुः।

आदध्नास उपकक्षास उत्वे हृदा इव स्नात्वा उ त्वे ददृशे।।

(अथवा/OR)

तम आसीत्तमसा गूळहमग्रेऽप्रकेतं सलिलं सर्वमा इदम्।

तुच्छयेनाभ्वपिहितं यदासीत् तपसस्तन्महिनाजायतैकम्।।

2. निम्नलिखित में से किसी एक पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :

Explain an exhaustive note on any **one** of the following :

- (i) पुरुषसूक्त (ii) इन्द्र (iii) अग्नि

3. प्रश्न 1 में दिए गए मन्त्रों में से किसी एक का पदपाठ कीजिए।

Write padapāṭha of any **one** of the mantras given in question no. 1.

भाग 'ख' (Part B)

अन्विति-1 एवं 2 (Unit - 1 & 2)

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes on the following :

- (i) वैदिक क्तवार्थक प्रत्यय अथवा वैदिक स्वरित।

Vedic gerunds or Vedic Svarita.

- (ii) पदपाठ के नियम अथवा लेट् लकार।
Rules of padapāṭha or subjunctive mood in the Vedas.

भाग 'ग' (Part C)

अन्विति-1 एवं 2 (Unit - 1 & 2)

5. निम्नलिखित की सन्दर्भसहित व्याख्या कीजिए :

Explain the following with reference to the context :

8 + 8 = 16

अन्विति-1 (Unit - 1)

- (i) निघण्टवः कस्मात्? निगमा इमे भवन्ति। छन्दोभ्यः समाहृत्य समाहृत्य समाप्नाताः। ते निमन्तव एव सन्तो निमगनान्निघण्टव उच्यन्त इत्यौपमन्यवः। अपि वाऽऽहननादेव स्युः, समाहता भवन्ति। यद्वा समाहता भवन्ति।

(अथवा/OR)

तत्र सर्वाणि नामान्याख्यातजानीति शाकटायनो नैरुक्तसमयश्च। न सर्वाणीति गार्ग्यो वैयाकरणानां चैके। तद्यत्र स्वरसंस्कारौ समर्थौ प्रादेशिकेन गुणेनान्वितौ स्याताम्, संविज्ञातानि तानि। यथा - गौरश्वः पुरुषो हस्तीति।

अन्विति-2 (Unit - 2)

- (ii) सैषा देवतोपपरीक्षा। यत्काम ऋषिर्यस्यां देवतायामार्थपत्यमिच्छन्स्तुतिं प्रयुङ्क्ते तद्देवतः स मन्त्रो भवति। तास्त्रिविधा ऋचः। परोक्षकृताः। प्रत्यक्षकृताः। आध्यात्मिक्यश्च।

(अथवा/OR)

जातवेदाः कस्मात्। जातानि वेद। जातानि वैनं विदुः। जाते जाते विद्यते इति वा। जातवित्तो वा जातधनः। जातविद्यो वा जातप्रज्ञानः। यत्तज्जातः पशूनविन्दत इति तज्जातवेदसो जातवेदस्त्वम् इति ब्राह्मणम्। तस्मात्सर्वानृतून्पशवोऽग्निमभिसर्पन्ति इति च। तस्यैषा भवति - जातवेदसे सुनवाम सोममरातीयतो निदहाति वेदः। स नः पर्षदति दुर्गाणि विश्वा नावेव सिन्धुं दुरितात्यग्निः।

6. निम्नलिखित में से किसी एक पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :

Write an exhaustive note on any **one** of the following :

08

- (i) षड् भावविकाराः।
(ii) तिस्र एव देवता इति नैरुक्ताः।
(iii) अथ निपाताः।

7. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं तीन का निर्वचन यास्क मे अनुसार संस्कृत में दीजिए : 2 + 2 + 2 = 6
Give etymologies of any **three** of the following words in **Sanskrit** according to **Yaska**:

अग्निः, समुद्रः, आदित्यः, उष्णिक्, हिरण्यम्, वैश्वानरः, गौः।

M.A. / Sem. I
SANSKRIT – Paper-102
POETICS : SĀHITYADARPAṆA
साहित्यशास्त्र : साहित्यवर्णन

Time – 3 Hours

Max. Marks – 70

(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English.

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

1. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए—

Explain the following :

5×2=10

(क) चतुर्वर्गफलप्राप्तिः सुखादल्पधियामपि।
काव्यादेव॥

अथवा/OR

उक्तं च—'कीटानुविद्धरत्नादिसाधारण्येन काव्यता।
दुष्टेष्वपि मता यत्र रसाद्यनुगमः स्फुटः॥ इति।

(ख) मुख्यार्थस्येतराक्षेपो वाक्यार्थेऽन्वयसिद्धये।
स्यादात्मनोऽप्युपादानादेशोपादानलक्षणा॥

अथवा/OR

विषयस्यानिगीर्णस्यान्यतादात्म्यप्रतीतिकृत्।
सारोपा स्यान्निगीर्णस्य मता साध्यवसानिका॥

2. किसी एक पर टिप्पणी कीजिए :

Write a note on any one of the following:

(क) गुण

(ख) पद

(ग) तात्पर्य

5

3. मम्मटकृत काव्यलक्षण के 'अदोषौ' इस घटक के विषय में विश्वनाथ द्वारा उपस्थापित विप्रतिपत्तियों की समालोचना कीजिए।

Critically examine the objections raised by Vishvanatha in refuting the component of 'अदोषौ' in the definition of Poetry propounded by Mammata.

10

अथवा/OR

आर्थी व्यञ्जना को उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

Elucidate आर्थी व्यञ्जना with the help of proper illustrations.

4. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए :-

Explain the following :

6×2=12

(क) कार्यकारणसञ्चाररूपा अपि हि लोकतः।
रसोद्बोधे विभावाद्याः कारणान्येव ते मताः॥

अथवा/OR

उद्दीपनविभावास्ते रसमुद्दीपयन्ति ये।

(ख) वाच्यातिशयिनि व्यङ्ग्ये ध्वनिस्तत्काव्यमुत्तमम्।

अथवा/OR

वस्त्वलङ्काररूपत्वाच्छब्दशक्त्युद्भवो द्विधा।

5. विश्वनाथ द्वारा प्रदत्त युक्तियों का उपयोग करते हुए रस की 'केवलसुखरूपता' की स्थापना कीजिए।

Establish 'केवलसुखरूपता' of Rasa with the arguments supplied by Vishvanatha.

10

अथवा/OR

गुणीभूतव्यङ्ग्य काव्य क्या है? उसके भेदों की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

What is गुणीभूतव्यङ्ग्य काव्य? Analyse its types with illustrations.

6. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए :

Explain the following :

यन्नाद्यवस्तुनः पूर्वं रङ्गविघ्नोपशान्तये। कुशीलवाः प्रकुर्वन्ति पूर्वरङ्गः स उच्यते।

अथवा/OR

अल्पमात्रं समुद्दिष्टं बहुधा यद् विसर्पति।

फलस्य प्रथमो हेतुर्बीजं तदभिधीयते॥

6

7. अधोलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए :

Write a short note in Sanskrit on any one of the following:

अभिनयः, गद्यम्

7

8. साहित्यदर्पण की दृष्टि से महाकाव्य का स्वरूप निरूपित कीजिए।

Describe the nature of Mahākāvya on the basis of साहित्यदर्पण.

10

अथवा/OR

विश्वनाथ के अर्थोपक्षेक-विषयक मन्तव्य पर एक समीक्षात्मक निबन्ध लिखिए।

Write a critical essay on Vishvanath's description of the Arthopakṣepakas.

Sr. No. 140103

Your Roll No.....

MA/ I Sem.
SANSKRIT – Paper 103
(साहित्य : नैषध एवंमृच्छकटिक)

Time : 3 hours

Maximum Marks : 70

Note :- Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

भाग क / Part – A
अन्विति- 1 (Unit – 1)

1 (i) निम्नलिखित की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

6 x 2 = 12

Explain the following with the context :

- (क) पदैश्चतुर्भिः सुकृते स्थिरीकृते कृतेऽमुना के न तपः प्रपेदिरे।
भुवं यदेकाङ्घ्रिकनिष्ठया स्पृशन् दधावधर्मोऽपि कृशस्तपस्विताम्॥
अथवा/ or
मनोरथेन स्वपतीकृतं नलं निशि क्व सा न स्वपती स्म पश्यति।
अदृष्टमप्यर्थमदृष्टवैभवात् करोति सुप्तिर्जनदर्शनातिथिम्॥

अन्विति- 2 (Unit – 2)

- (ख) त्वदग्रसूच्या सचिवेन कामिनोर्मनोभवः सीव्यति दुर्यशःपटौ।
स्फुटं स पत्रैः करपत्रमूर्तिभिर्वियोगिहृद्दारुणि दारुणायते॥
अथवा/ or
पदे पदे सन्ति भटा रणोद्भटा न तेषु हिंसारस एष पूर्यते।
धिगीदृशं ते नृपतेः कुविक्रमं कृपाश्रये यः कृपणे पतत्रिणि॥

(ii) निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए (अनुभाग ख को संस्कृत में)

7 x 2 = 14

Write short notes on the following (section ख should be in **Sanskrit**) :

- (क) नैषध के प्रथमसर्ग के आधार पर प्रकृति-चित्रण अथवा/ or नैषध के प्रथम सर्ग में करुण रस
Description of nature on the basis of Naishadha's first canto or करुण रस in
Naishadha's first canto.

- (ख) नैषधस्य प्रथमसर्ग अलङ्कारयोजना
अथवा/ or
नैषधस्य प्रथमसर्ग शृङ्गाररसः

(iii) निम्नलिखित की समीक्षा कीजिए :

Analyse the following :

नैषध के प्रथमसर्ग के आधार पर 'नैषध विद्वदौषधम्' सूक्ति का विवेचन

Analysis of the statement 'नैषध विद्वदौषधम्' on the basis of Naisadha's first canto

अथवा/ or

नैषध के प्रथमसर्ग के आधार पर श्रीहर्ष का काव्य-सौन्दर्य

Poetic beauty of Sriharsha on the basis of Naisadha's first canto

भाग ख/ Part – B

अन्विति- 1 (Unit – 1)

२. (i) निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

6 x 2 = 12

Explain the following with the context:

(क) न गणयति पराभवं कुतश्चिद्धरति ददाति च नित्यमर्थजातम्
नृपतिरिव निकाममायदर्शी विभववता समुपास्यते जनेन ॥

अथवा / Or

असौ हि दत्त्वा तिमिरावकाशमस्तं ब्रजत्युन्नतकोटिरिन्दुः।
जलावगाढस्य वनद्विपस्य तीक्ष्णं विषाणाग्रमिवावशिष्टम्॥

अन्विति-2 (Unit- 2)

(ख) गर्ज वा वर्ष वा शक्र मुच वा शतशोऽशनिम्।
न शक्या हि स्त्रियो रोद्धुं प्रस्थिता दयितं प्रति॥

अथवा / Or

चाणक्येन यथा सीता मारिता भारते युगे।
एवं त्वां मोटयिष्यामि जटायुरिव द्रौपदीम्॥

(ii) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

6 x 2 = 12

Write shortnotes on any two of the following:

धूता-वसन्तसेना, शकार का वाग्वैचित्र्य, प्रवहण-विपर्यय

(iii) मृच्छकटिकम् के नामकरण की प्रतीकात्मकता को स्पष्ट करें.

10

Clarify the symbolic value of Naming of Mrichchhakatikam.

अथवा / Or

मृच्छकटिकम् में प्रतिबिम्बित विविध कलाओं पर निबन्ध लिखें.

Write an essay on Various arts depicted in Mrichchhakatikam.

Sr. No. 140104

Your Roll No.....

M. A. / Sem. I
SANSKRIT – Paper 104
(Outline of Culture & Civilization in Sanskrit Literature)
(संस्कृत वाङ्मय में प्रतिपादित संस्कृति एवं सभ्यता की रूपरेखा)

Time – 3 Hours

Max. Marks – 70

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English.
अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

1. संस्कृति एवं सभ्यता से आप क्या समझते हैं? भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
What do you understand by culture and civilization ? Discuss the main features of Indian culture.

अथवा Or

पूर्ववैदिक काल की संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Give an exposition of the prime characteristics of the culture of early Vedic period.

12

2. 'रामायणकालीन संस्कृति; महाभारतकालीन संस्कृति से भिन्न है।' - व्याख्या कीजिए।
'The culture of the Rāmāyaṇa is different from that of the Mahābhārata.' – Explain.

अथवा Or

महाकाव्यों में प्रवर्तित भारतीय संस्कृति के आदर्श की व्याख्या कीजिए।

Explain the ideal of Indian culture depicted in the Mahākāvyas.

12

3. प्राचीन भारतीय शिक्षाप्रणाली का समालोचनात्मक विवेचन कीजिए।
Give a critical exposition of the education system in ancient India.

अथवा Or

भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता में वर्णाश्रम-व्यवस्था की भूमिका की समीक्षा कीजिए।

Critically examine the role of *varṇāśrama* system in Indian culture and civilization.

12

4. जैनमत के प्रमुख सिद्धान्तों की समालोचना कीजिए।

Critically examine the important doctrines of Jainism.

अथवा Or

वैष्णवमत के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

Discuss the origin and development of Vaiṣṇavism.

12

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए, जिनमें से एक संस्कृत में हो:

Write short notes on any three of the following, out of which one should be in **Sanskrit**:

- (i) पुरुषार्थचतुष्टय (four-fold *puruṣārthas*)
- (ii) पञ्च महायज्ञ (five *mahāyajñas*)
- (iii) विवाह के प्रकार (types of marriage)
- (iv) प्राचीन भारत में स्त्री-शिक्षा (women education in ancient India)
- (v) बौद्धमत में दस शील (ten *śīlas* in Buddhism)
- (vi) पौराणिक धर्म (Purāṇic religion)

7+7+8 = 22

M.A. / Part I, Sem. I (I.1)

SANSKRIT – Paper 101

(Vedic Vāṇmaya : Rksamhitā & Nirukta)

(वैदिक वाङ्मय : ऋक्-संहिता एवं निरुक्त)

Time – 3 Hours

Max. Marks – 70

(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

भाग 'क' (Part A)

1. निम्नलिखित मंत्रों में से प्रत्येक अन्विति में से एक मंत्र लेते हुए किन्हीं दो मंत्रों की व्याख्या कीजिए, जिनमें से एक संस्कृत में हो।

Explain two mantras, taking one from each unit, from the mantras given below, of which one should be in Sanskrit. 8+8=16

अन्विति-1 (Unit-1)

वृषायमाणोऽवृणीत सोमं त्रिऽकंद्रुकेष्वपिबत्सुतस्य।

आ सार्यकं मघवादत्त वज्रमहन्नेन प्रथमजामहीनाम्॥

अथवा/OR

सुहस्रधारेऽव ते समस्वरन् दिवो नाके मधुजिह्वा असृशतः।

अस्य स्पृशो न निर्मिषन्ति भूर्णयः पदेपदे प्राशिनः सन्ति सेतवः॥

अन्विति-2 (Unit-2)

अक्षण्वन्तः कर्णवन्तः सखायो मनोजवेष्वासमा बभूवुः।

आदुध्वास उपकक्षासं उ त्वे हृदा इव स्नात्वा उ त्वे ददृशे॥

अथवा/OR

तस्माद्यज्ञात्सर्वहुतः सम्भृतं पृषदाज्यम्।

प्रशून्तांश्चक्रे वायव्यानारण्यान्ग्राम्याश्च ये॥

2. निम्नलिखित में से किसी एक पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :
Write an exhaustive note on any one of the following
(i) अग्नि (ii) सोम (iii) ज्ञानसूक्त

09

3. प्रश्न 1 में दिए गए मंत्रों में से किसी एक का पदपाठ कीजिए।
Write padapāṭha of any one of the mantras given in question no. 1.

05

भाग 'ख' (Part B)

अन्विति-1 (Unit-1)

5+5=10

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes on the following :

- (i) वैदिक तुमर्थक प्रत्यय अथवा अजन्त पुल्लिङ्ग।
Vedic Infinitives or masculine Vedic stems ending in Vowels.
- (ii) पदपाठ के नियम अथवा लोट् लकार।
Rules of Padapāṭha or Imperative mood in the Vedas.

भाग 'ग' (Part C)

5. निम्नलिखित की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

8+8=16

Explain the following with reference to the context :

अन्विति-1 (Unit-1)

- (i) इन्द्रियनित्यं वचनमौदुम्बरायणः। तत्र चतुष्ट्वं नोपपद्यते। व्याप्तिमत्त्वात् शब्दस्य। अणीयस्त्वाच्च शब्देन संज्ञाकरणं व्यवहारार्थं लोके।

अथवा/OR

न त्वेव न निर्ब्रूयात्। न संस्कारमाद्रियेत। विशयवत्यो हि वृत्तयो भवन्ति। यथार्थं विभक्तीः सन्नमयेत्।.....नैकपदानि निर्ब्रूयात्।

अन्विति-2 (Unit-2)

- (ii) माहाभार्याद् देवताया एक आत्मा बहुधा स्तूयते। एकस्यात्मनोऽन्ये देवाः प्रत्यङ्गानि भवन्ति। अपि च सत्त्वानां प्रकृतिभूमभिर्ऋषयः स्तुवन्तीत्याहुः।

अथवा/OR

अग्निः कस्मात्? अग्रणीर्भवति।अक्नोपनो भवतीति स्थौलाष्टाविः।त्रिभ्य आख्यातेभ्यो जायत इति शाकपूणिः।

6. मन्त्रों की अर्थवत्ता को लेकर यास्क द्वारा प्रस्तुत विवेचन का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

Give a critical analysis of the discussion presented by Yāska regarding the meaningfulness of the mantras.

08

अथवा/OR

'तत्को वैश्वानरः?' निरुक्त के अनुसार इस प्रश्न का विवेचन कीजिए।

'तत्को वैश्वानरः?' Discuss this question according to the Nirukta.

अथवा/OR

उपसर्गों के वाचकत्व अथवा द्योतकत्व के विषय में शाकटायन एवं गार्ग्य के मतों की समीक्षा कीजिए।

Examine the views of Śākaṭāyana and Gārgya regarding whether upsargas are vācaka or dyotaka.

7. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं तीन का निर्वचन यास्क के अनुसार संस्कृत में दीजिए—

Give the etymology of any three of the following words in Sanskrit according to Yāska : 2+2+2=6

पुरुषः, अन्तरिक्षम्, निघण्टवः, दक्षिणा, आदित्यः गायत्री, अध्वर्युः।

M.A./I Semester
SANSKRIT- Paper 102
(SĀHITYADARPAṆA)

2013

Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of the question paper.
इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 70

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or Hindi or English.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Attempt all questions.

अन्विति-1 (Unit-1)

5 + 5 = 10

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :
Explain the following :

i. उत्कर्षहेतवः प्रोक्ता गुणालंकाररीतयः।

अथवा (OR)

चतुर्वर्गफलप्राप्तिः सुखादल्पधियामपि।
काव्यादेव —————।।

ii. संकेतो गृह्यते जातौ गुणद्रव्यक्रियासु च।

अथवा (OR)

विरतास्वभिधाद्यासु ययाऽर्थो बोध्यते परः।
सा वृत्तिर्व्यञ्जना नाम शब्दस्यार्थादिकस्य च।।

2. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए:

05

Write a short note on any one of the following:

- i. दोषास्तस्यापकर्षकाः
ii. विश्वनाथ के अनुसार वाक्य
iii. लक्षणलक्षणा

3. विश्वनाथ के अनुसार मम्मट के काव्यलक्षण की समालोचना कीजिए।

10

Examine Mammaṭa's definition of poetry as discussed by Viśvanātha.

अथवा (OR)

आभधामूलव्यञ्जना किसे कहते हैं? सादाहरण समुदाहरण काजिए।
What is *abhidhāmūla-vyañjanā*? Explain with examples.

अन्विति-2 (Unit-2)

4. निम्नलिखित कारिकाओं की व्याख्या कीजिए:
Explain the following:

6+6=12

- i. विभावेनानुभावेन व्यक्तः संचारिणा तथा।
रसतामेति रत्यादिः स्थायिभावः सचेतसाम्।।

अथवा (OR)

उद्बुद्धं कारणैः स्वैः स्वैर्बहिर्भावं प्रकाशयन्।
लोके यः कार्यरूपः सोऽनुभावः काव्यनाट्ययोः।।

- ii. वाच्यातिशयिनि व्यङ्ग्ये ध्वनिस्तत्काव्यमुत्तमम्।।

अथवा (OR)

तत्राद्यो रसभावादिरक एवात्र गण्यते।
एकोऽपि भेदोऽनन्तत्वात् संख्येयस्तस्य नैव यत्।।

5. रस की अलौकिकता पर विस्तार से प्रकाश डालिये।
Elaborate the transcendentality of Rasa.

10

अथवा (OR)

विश्वनाथ के अनुसार अर्थशक्त्युद्भव ध्वनि की सप्रभेद विवेचना कीजिये।
Explain the *arthaśaktyudbhava dhvani* with its varieties according to Viśvanātha.

अन्विति-3 (Unit-3)

6. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए:
Explain the following :

08

आशीर्वचनसंयुक्ता स्तुतिर्यस्मात्प्रयुज्यते।
देवद्विजनृपादीनां तस्मान्नान्दीति संज्ञिता।

अथवा (OR)

अविरुद्धं तु यद् वृत्तं रसादिव्यक्तयेऽधिकम्।
तदप्यन्यथयेद्धीमान्न वदेद्वा कदाचन।।

7. विश्वनाथ के अनुसार वृत्ति की परिभाषा देते हुए कैशिकी वृत्ति को स्पष्ट कीजिये।
Define *vṛtti* and explain the *kaiśikī vṛtti* according to Viśvanātha.

10

अथवा (OR)

कथा एवं आख्यायिका को परिभाषित करते हुए दोनों में अन्तर बताइये।
Define *kathā* and *ākhyāyikā* and explain their distinction .

8. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत टिप्पणी लिखिये :
Write a short note in Sanskrit on any one of the following :

07

- i. प्रस्तावना (*Prastāvanā*)
ii. बीज (*Bīja*)
iii. विष्कम्भक (*Viṣkambhaka*)

Paper Code- 130103

Your Roll No.....

MA/ III Sem.
SANSKRIT- Paper 103
(साहित्य: नैषध एवं मृच्छकटिक)

Time: 3 hours

Maximum Marks: 70

Note:- Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

भाग क/ Part - A
अन्विति - 1 (Unit-1)

1. (i) निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

6 x 2 = 12

Explain the following with the context:

(क) प्रतीपभूपैरिव किं ततो भिया विरुद्धधर्मैरपि भेतृतोऽज्झिता।
अमित्रजिन्मित्रजिदोजसा स यद्विचारदृक्चारदृगप्यवर्तत॥

अथवा / Or

सरोरुहं तस्य दृशैव निर्जितं जिताः स्मितेनैव विधोरपि श्रियः।
कुतः परं भव्यमहो महीयसी तदाननस्योपमितौ दरिद्रता॥

अन्विति - 2 (Unit-2)

(ख) विनिद्रपत्रालिगतालिकैतवान्मृगाङ्गचूडामणिवर्जनार्जितम्।
दधानमाशासु चरिष्णु दुर्यशः स कौतुकी तत्र ददर्श केतकम्॥

अथवा / Or

विलासवापीतटवीचिवादनात्पिकालिगीतेः शिखिलास्यलाघवात्।
वनेऽपि तौर्यत्रिकमारराधतं क्व भोगमाप्नोति न भाग्यभागजनः॥

(ii) निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए (अनुभाग ख को संस्कृत में)-

7 x 2 = 14

Write short notes on the following (section ख should be in Sanskrit) :

(क) नैषध में प्रवर्तित शिक्षा पद्धति अथवा हंसविलाप-प्रकरण में श्रीहर्ष के कवित्व का उत्कर्ष

Education system on shown in नैषध or Poetic excellence of Śrīharṣa in Hansa-vilāpa section.

(ख) विलासकाननम् अथवा / Or नैषधे सुदीर्घवर्णनम्

(iii) निम्नलिखित की समीक्षा कीजिए :

10

विद्वत्काव्यं हि नैषधम् अथवा / Or नैषधकाव्य का वैशिष्ट्य (Poetic beauty of नैषध)

भाग ख/ Part - B

अन्विति - 1 (Unit-1)

2. (i) निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

6 X 2 = 12

Explain the following with the context:

(क) य आत्मबलं ज्ञात्वा भारं तुलितं वहति मनुष्यः।

तस्य स्खलनं न जायते न च कान्तारगतो विपद्यते॥

अथवा / Or

धनैर्वियुक्तस्य नरस्य लोके किं जीवितेनादित एव तावत्।

यस्य प्रतीकारनिरर्थकत्वात्कोपप्रसादा विफलीभवन्ति॥

अन्विति - 2 (Unit-2)

(ख) किं कुलोपदिष्टेन शीलमेवात्र कारणम्।

भवन्ति सुतरां स्फीताः सत्क्षेत्रे कण्टकिद्रुमाः॥

अथवा / Or

अप्येष नाम परिभूतदशो दरिद्रः प्रेष्यः परत्र फलमिच्छति नास्य भर्ता।

तस्मादमी कथमिवाद्य न यान्ति नाशं ये वर्धयन्त्यसदृशं त्यजन्ति॥

(ii) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए-

6 X 2 = 12

Write a short note on any two of the following:

अलङ्कारन्यास-प्रसङ्ग, शर्विलक, अधिकरणिक-व्यवहार

(iii) युगान्तरकारी कवि के रूप में शूद्रक का मूल्याङ्कन करें।

10

Evaluate Shudraka as a revolutionary poet.

अथवा / Or

मृच्छकटिकम् में प्रवहणविपर्यय के महत्त्व व प्रतीकात्मकता को स्पष्ट करें।

Clarify the importance and symbolic value of प्रवहणविपर्यय in Mrichchhakatikam.

Sr. No. 130104

Your Roll No.....

M. A. / Sem. III

SANSKRIT – Paper 104

(Outline of Culture & Civilization in Sanskrit Literature)

(संस्कृत वाङ्मय में प्रतिपादित संस्कृति एवं सभ्यता की रूपरेखा)

Time – 3 Hours

Max. Marks – 70

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

1. भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के प्रमुख प्रस्थान-बिन्दुओं के सन्दर्भ में भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Discuss the main features of Indian culture with reference to the important turning points of the cultural history of India.

अथवा Or

वैदिक संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Give an exposition of the main characteristics of the Vedic culture.

12

2. विभिन्न आदर्शों की स्थापना के विशेष सन्दर्भ में रामायण के सांस्कृतिक महत्त्व का मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate the cultural importance of the Rāmāyaṇa with reference to setting up different ideals.

अथवा Or

भारतीय संस्कृति को पुराणों के अवदान की समीक्षा कीजिए।

Examine the contribution of Purāṇas to Indian culture.

12

3. प्राचीन भारत में वर्ण-व्यवस्था अथवा स्त्रियों की दशा की समीक्षा कीजिए।

Critically examine the varṇa system or position of women in ancient India.

12

P.T.O

4. बौद्धमत के प्रमुख सिद्धान्तों की समालोचना कीजिए।

Critically examine the important doctrines of Buddhism.

अथवा Or

शैवमत के उद्भव एवं विकास का वर्णन कीजिए।

Discuss the origin and development of Śaivism.

12

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए, जिनमें से एक संस्कृत में हो:

Write short notes on any three of the following, out of which one should be in **Sanskrit**:

(i) गृहस्थाश्रम (*gr̥hasthāśrama*)

(ii) बहुदेववाद (polytheism)

(iii) वैदिककाल की शिक्षा-प्रणाली (education- system in the Vedic period)

(iv) संस्कारों की समसामयिकता (Relevance of the *samskāras*)

(v) जैनमत का अवदान (contribution of Jainism)

(vi) वैष्णव सम्प्रदाय (sects of Vaiṣṇavism)

7+7+8 = 22

Sr. No. 120101

Your Roll No.....

M. A. / Part I, Sem. I (I.1)

SANSKRIT – Paper 101

(Vedic Vāṇmāyā : Ṛksamhitā & Nirukta)

(वैदिक वाङ्मय : ऋक्-संहिता एवं निरुक्त)

Time – 3 Hours

Max. Marks – 70

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

भाग 'क' (Part A)

1. निम्नलिखित मंत्रों में से प्रत्येक अन्विति में से एक मंत्र लेते हुए, किन्हीं दो मंत्रों की व्याख्या कीजिए, जिनमें से एक संस्कृत में हो।

Explain two mantras, taking one from each unit, from the mantras given below, of which one should be in Sanskrit. 8+8=16

अन्विति - 1 (Unit-1)

दासपत्नीरहिगोपा अतिष्ठन्निरुद्धा आपः पुनिनेव गावः ।
अपां बिलमपिहितुं यदासीद् वृत्रं जघन्वा अप तद्ववार ॥

अथवा/OR

पुवित्रवतः परि वाचमासते पितृषां प्रत्नो अभिरक्षति व्रतम् ।
महः समुद्रं वरुणस्तिरो दधे धीरा इच्छेकुर्धरुजध्वारभम् ॥

अन्विति - 2 (Unit-2)

एतावानस्य महिमातो ज्यायोश्च पूरुषः ।
पादोऽस्य विश्वा भूतानि त्रिपादस्यामृतं दिवि ॥

अथवा/OR

कामस्तदग्रे समवर्तताधि मनसो रेतः प्रथमं यदासीत् ।
सुतो बन्धुमसति निरविन्दन् हृदि प्रतीष्या कुवयो मनीषा ॥

2. निम्नलिखित में से किसी एक पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :

Write an exhaustive note on any one of the following

- (i) रुद्र
- (ii) इन्द्र
- (iii) पुरुषसूक्त

3. प्रश्न 1 में दिए गए मंत्रों में से किसी एक का पदपाठ कीजिए ।

Write *padapāṭha* of any one of the mantras given in question no. 1.

5

भाग 'ख' (Part B)

अन्विति - 1 (Unit-1)

4. वैदिक " क्तवार्थक " अथवा "तुमर्थक " प्रत्यय पर टिप्पणी लिखिए ।

Write a note on "gerunds" or " Infinitives" in the Vedas.

5

5. "पदपाठ" अथवा " लेट लकार " पर टिप्पणी लिखिए.

Write a note on "Padapāṭha" or "subjunctive mood" in the vedas.

5

भाग 'ग' (Part C)

6. निम्नलिखित की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए :

Explain the following with reference to the context:

8+8=16

अन्विति - 1 (Unit-1)

(i) तद्यत्रोभे भावप्रधाने भवतः, पूर्वापरीभूतं भावमाख्यातेनाचष्टे-----

उपक्रमप्रभृत्यपवर्गपर्यन्तं मूर्तं सत्त्वभूतं सत्त्वनामभिः ।

अथवा/OR

अथानन्वितेऽर्थेऽप्रादेशिके विकारेऽर्थनित्यः परीक्षेत केनचिद् वृत्तिसामान्येन -----

न त्वेव न निर्भूयान्न संस्कारमाद्रियेत ।

अन्विति - 2 (Unit-2)

(ii) सैषा देवतोपपरीक्षा । यत्काम ऋषिर्यस्यां देवतायामार्थपत्यमिच्छन्स्तुतिं प्रयुङ्क्ते, तद्-

दैवतः स मंत्रो भवति ।

अथवा/OR

तद् येऽनादिष्टदेवता मन्त्रास्तेषु देवतोपपरीक्षा-----याज्ञदैवतो मन्त्र इति ।

7. निम्नलिखित में से किसी एक पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए

Write an exhaustive note on any one of the following

8

(i) नामान्याख्यातजानीति शाकटायनो नैरुक्तसमयश्च ।

(ii) अथ निर्वचनम् ।

(iii) तिस्र एव देवता इति नैरुक्ताः ।

8. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं तीन की यास्क-मतानुसार निरुक्ति दीजिए-

Give the etymology of any three of the following words according to Yāska: 6

विश्वकद्राकर्षः, अंशुः, हिरण्यम्, पुत्रः, वृत्रः, वैश्वानरः, जगती

Sr. No. 120102

Roll No.-----

M.A./I Semester
SANSKRIT- Paper 102
(SĀHITYADARPAṆA)

Write Your Roll No. On the top immediately on receipt of the question paper
इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 70

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit, Hindi or English.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Attempt all questions.

अन्विति-1

Unit-1

1. निम्नलिखित कारिकाओं की व्याख्या कीजिए:

5+5=10

Explain the following:

- i. शरदिन्दुसुन्दररुचिश्चेतसि सा मे गिरां देवी।
अपहृत्य तमः सन्ततमर्थानखिलान्प्रकाशयतु ॥

अथवा (OR)

धर्मार्थकाममोक्षेषु वैचक्षण्यं कलासु च।
करोति कीर्तिं प्रीतिं च साधुकाव्यनिबन्धनम् ॥

- ii. अर्पणं स्वस्य वाक्यार्थे परस्यान्वयसिद्धये।
उपलक्षणहेतुत्वादेशा लक्षणलक्षणा ॥

अथवा (OR)

तत्र संकेतितार्थस्य बोधनादग्निमाभिधा।

2. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए:

05

Write a short note on any one of the following:

- i. गौणी लक्षणा
ii. प्रयोजनवती लक्षणा

3. विश्वनाथ के अनुसार मम्मट के काव्यलक्षण का परीक्षण कीजिए।

10

Examine the mammata's poetry definition as discussed by viśvanātha.

अथवा (OR)

शाब्दी-व्यंजना का सोदाहरण भेद सहित विवेचन कीजिए।

Discuss Sābdi-vyañjanā with its types giving examples.

PTO

अन्विति-2

Unit-2

6+6=12

4. निम्नलिखित कारिकाओं की व्याख्या कीजिए:

Explain the following:

- i. शिक्षाभ्यासादिमात्रेण राघवादेः स्वरूपताम् ।
दर्शयन्नर्तको नैव रसस्यास्वादको भवेत् ॥

अथवा (OR)

विकाराः सत्त्वसम्भूताः सात्त्विकाः परिकीर्तिताः ।
सत्त्वमात्रोद्भवास्ते भिन्ना अप्यनुभावतः ॥

- ii. अपरं तु गुणीभूतव्यंग्यं वाच्यादनुत्तमे व्यंग्ये ।

अथवा (OR)

वस्त्वलंकाररूपत्वाच्छब्दशक्त्युद्भवो द्विधा ।

5. विश्वनाथ द्वारा प्रतिपादित साधारणीकरण सिद्धान्त की विवेचना कीजिए ।

10

Discuss the theory of *Sādhāraṇīkaraṇa* as propounded by viśvanātha.

अथवा (OR)

संलक्ष्यकमव्यंग्य ध्वनि के स्वरूप एवं भेदों का निरूपण कीजिए ।

Elucidate the concept and kinds of *samlakṣyakrama vyaṅgya dhvani*.

अन्विति-3

Unit-3

6. निम्नलिखित कारिका की व्याख्या कीजिए:

06

Explain the following:

पदानि त्वगतार्थानि तदर्थगतये नराः ।
योजयन्ति पदैरन्यैः स उद्धात्यक उच्यते ॥

अथवा (OR)

प्रवेशोऽनुदात्तोक्त्या नीचपात्रप्रयोजितः ।
अङ्कद्वयस्यान्तर्विज्ञेयः शेषं विष्कम्भके यथा ॥

7. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए:

07

Write a short note in **sanskrit** on any **one** of the following:

- i. कैशिकी वृत्ति
ii. अभिनय
iii. खण्डकाव्य

8. विश्वनाथ के अनुसार नान्दी की समीक्षा कीजिए ।

10

Critically define the *nāndī* as described by viśvanātha.

अथवा (OR)

मुखसन्धि का स्वरूप एवं उसके अंगों का स्पष्टीकरण काजिए ।

Define the *mukha sandhi* and its parts according to *sāhityadarpaṇa*.

Serial No.: 120103

Your Roll No.

M.A. / III Sem.

SANSKRIT – Paper 103

(साहित्य: नैषध एवं मृच्छकटिक)

Maximum Marks: 70

Time: 3 Hours

Note: Unless otherwise required in a question answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English.
अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न पत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

भाग क/ Part – A

अन्विति - 1 (Unit - 1)

1. निम्नलिखित की संदर्भसहित व्याख्या कीजिए-

Explain the following with reference to the contexts:

6+6+6+6=24

(क) अमुष्य विद्या रसनाग्रनर्तकी त्रयीव नीताङ्गुणेन विस्तरम्।

अगाहताष्टादशतां जिगीषया नवद्वयद्वीपपृथग्जयश्रियाम्॥

अथवा / OR

निमीलितादक्षियुगाच्च निद्रया हृदोऽपि बाह्येन्द्रियमौनमुद्रितात्।

अदर्शि संगोप्य कदाप्यवीक्षितो रहस्यमस्यास्स महन्महीपतिः॥

अन्विति - 2 (Unit - 2)

(ख) विवेश गत्वा स विलासकाननं ततः क्षणात् क्षोणिपतिर्धृतीच्छया।

प्रवालरागच्छुरितं सुषुप्सया हरिर्घनच्छायमिवाम्भसां निधिम्॥

अथवा / OR

दिने दिने त्वं तनुरेधि रेऽधिकं पुनः पुनर्मूर्च्छं च मृत्युमृच्छं च।

इतीव पान्थं शपतः पिकान् द्विजान् सखेदमैक्षिष्ट स लोहितेक्षणान्॥

भाग ख / Part – B

अन्विति - 1 (Unit - 1)

(ग) यदा तु भाग्यक्षयपीडितां दशां नरः कृतान्तोपहितां प्रपद्यते।

तदाऽस्य मित्राण्यपि यान्त्यमित्रतां चिरानुरक्तोऽपि विरज्यते जनः॥

अथवा / OR

परिजनकथासक्तः कश्चिन्नरः समुपेक्षितः क्वचिदपि गृहं नारीनाथं निरीक्ष्य विवर्जितम्।

नरपतिबले पार्श्वयाते स्थितं गृहदारुवद् व्यवसितशतैरेवंप्रायैर्निशा दिवसीकृता॥

अन्विति - 2 (Unit - 2)

(घ) नरपतिपुरुषाणां दर्शनाद्भीतभीतः सनिगडचरणत्वात् सावशेषापसारः।

अविदितमधिरूढो यामि साधोस्तु याने परभृत इव नीडे रक्षितो वायसीभिः॥

अथवा / OR

एककार्यनियोगेऽपि नानयोस्तुल्यशीलता।

विवाहे च चितायाञ्च यथा हुतभुजोर्द्वयोः॥

2 निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए-

7

Write a short note on the following:

हंसविलाप अथवा / OR नवविलासवन

3 निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए-

7

राजानल अथवा / OR हिरण्यमय हंस

4 निम्नलिखित उक्ति की समीक्षा कीजिए-

10

Critically examine the following:

'नैषधे पदलालित्यम्' अथवा / OR 'नैषधं विद्वदौषधम्'

5 निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए -

Write short note on the following:

6+6=12

(क) मृच्छकटिक की नान्दी अथवा / OR भरतवाक्य

(ख) आर्यक अथवा / OR मैत्रेय

6 मदनिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

10

Sketch the character of Madanikā.

अथवा / OR

शूद्रक के समय की राजनैतिक दशा का वर्णन कीजिए।

Portray the political condition during the time of Śūdraka.

Serial No. 120104

Your Roll No.....

MA/ Sem.I

Sanskrit- Paper 104

(Outline of Sanskrit Culture & Civilization in Sanskrit Literature)

(संस्कृत वाङ्मय में प्रतिपादित सभ्यता एवं संस्कृति की रूपरेखा)

Time: 3 hours

Maximum Marks: 70

(Write your Roll No. immediately on the top of the receipt of this Question paper)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**.

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

1. भारतीय सन्दर्भ में संस्कृति एवं सभ्यता के स्वरूप का निरूपण करते हुए दोनों में अन्तर को स्पष्ट करें।
Give an account of the culture and civilization in Indian context and make out the difference between these two. 12

अथवा/ OR

'उत्तरवैदिककालीन संस्कृति विकसनशील भारतीय संस्कृति की पूर्वपीठिका है'— समुचित उदाहरण देते हुए इस कथन की समीक्षा कीजिए।

"Post Vedic Culture is the background of the developing Indian Culture" – Examine this statement with proper illustrations.

2. महाकाव्यकालीन संस्कृति पौराणिक संस्कृति की ही व्याख्या है— टिप्पणी करें।
" Culture of Mahākāvya era is just an explanation of the Purāṇic culture. " Comment. 12

अथवा/OR

महाकाव्यों में प्रवर्तित सांस्कृतिक आदर्श की व्याख्या कीजिए।

Explain the ideal of Indian culture depicted in Mahākāvyas.

3. प्राचीन भारतीय संस्कृति में वर्णित संस्कारों की उपयोगिता वर्तमानकाल में है या नहीं— सविस्तर विवेचन करें।
Describe in detail whether the Samskāras, described in the Ancient Indian Culture have any relevance at present or not. 12

अथवा/ OR

प्राचीन भारत में दलितों की स्थिति पर सोदाहरण एक निबन्ध लिखें।

Write an essay on the position of Dalits in Ancient India.

4. वैष्णव धर्म के उद्भव एवं विकास का विवेचन कीजिए।
Give an account of the origin and development of Vaiṣṇava Dharma. 12

अथवा/ OR

जैन मत के प्रमुख सिद्धान्तों का उल्लेख करें।

Mention the main theories of Jainism.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए, जिनमें से एक संस्कृत में हो- 7+7+8
Write short notes on any **three** of the following, of which **one** should be in **Sanskrit**:

- (i) पुरुषार्थचतुष्टय Four goals of human life
- (ii) प्राचीन भारतीय शिक्षाप्रणाली Ancient Indian Educational System
- (iii) रामायणकालीन आदर्श Ideals in the time of Rāmāyana
- (iv) संन्यास आश्रम Sannyāsa Āśrama
- (v) पाशुपत संप्रदाय Pāśupata School
- (vi) चार आर्यसत्य Four Noble Truths